प्रदेश के नौ जिलों में पीपीपी मोड में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए आए 17 प्रस्ताव

यूपी के स्वास्थ्य क्षेत्र में दिलचस्पी ले रहे निवेशक

राज्य मुख्यालय | राजकुमार शर्मा

प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश करने में निजी क्षेत्र के निवेशक रुचि दिखा रहे हैं। वे सरकार के साथ भागीदारी में यहां स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने को तैयार हैं।

राज्य के नौ जिलों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) में मेडिकल कॉलेज खोलने और उसके संचालन में 17 व्यवसायिक समूहों ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग को इसके लिए प्रस्ताव दिया है। विभाग इन प्रस्तावों का परीक्षण करा रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की है। यह कॉलेज केंद्र की मदद से खोले जाने हैं। इसी क्रम में नौ मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है। जबकि 14 अन्य मेडिकल कॉलेजों को मंजूरी मिल चुकी है, जिनमें कई का शिलान्यास भी हो चुका है।

इसके अलावा 16 जिले ऐसे हैं जहां पीपीपी मोड में मेडिकल कॉलेज खोले जाने हैं। इनमें बागपत, हाथरस, रामपुर, संभल, शामली, महाराजगंज, कासगंज, मऊ, श्रावस्ती, चित्रकूट, बलिया, भदोही, हमीरपुर, महोबा, मैनपुरी, संत कबीर नगर जिले शामिल हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसके लिए निजी क्षेत्र के निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे।

आवेदन के लिए विभाग ने बनाई कई श्रेणियां

पहली केटेगरी में जमीन और पूरा निवेश निजी क्षेत्र का होगा। दूसरी केटेगरी में मेडिकल कॉलेज की जमीन और बिल्डिंग निवेशक की होगी जबकि अस्पताल सरकारी होगा और सी केटेगरी में मेडिकल कॉलेज भवन और अस्पताल दोनों ही सरकारी होंगे, मगर संचालन निजी क्षेत्र द्वारा किया जाएगा। राज्य सरकार वित्तीय व गैर वित्तीय सहायता देगी। पांच वर्ष के लिए लागत पर पांच प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी दी जाएगी, जो अधिकतम एक करोड़ प्रतिवर्ष होगी।

इन नौ जिलों के लिए मेडिकल कॉलेजों के प्रस्ताव आए

चिकित्सा शिक्षा विभाग को पांच दिसंबर तक बागपत, हाथरस, रामपुर, संभल, शामली, महाराजगंज, कासगंज, मऊ, श्रावस्ती जिलों में मेडिकल कॉलेज के लिए निजी क्षेत्र से कुल 17 प्रस्ताव मिले हैं। इसमें तीनों श्रेणियों में आवेदन किए गए हैं। हाथरस और संभल में सर्वाधिक तीन-तीन प्रस्ताव मिले हैं। जबकि बागपत, रामपुर, शामली और कासगंज में दो-दो प्रस्ताव आए हैं। बाकी जिलों में एकल प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। जबकि चित्रकूट, बलिया, भदोही, हमीरपुर, महोबा, मैनपुरी, संत कबीर नगर जिलों में विभाग को अभी प्रस्तावों का इंतजार है।